June 2015

TODAY

(NEWSLETTER OF EURASIA REIYUKAI)

Year : 3, Vol. 24 www.eurasiareiyukai.com

मैं यूराशिया रेयूकाई का दिव्यज्योतिमय सदस्य हूँ

यूराशिया रेयूकाई २८वीं शाखा का जागृति भव्य मिलन सम्पन्न

उक्त समारोह में संस्थापक अध्यक्ष जी द्वारा प्रदान किये गये मार्गनिर्देशन के सारांश :

- हाल ही में महाभूकंप से नेपाल एवं भारत देश में काफी बडा नुकसान हुआ । यह नेपाल के लिए तो राष्ट्रीय संकट है । इस राष्ट्रीय संकट में हम सब मिलकर पुनर्निर्माण नही करने से नही होगा । इस देश को पहले से भी अच्छा देश नही बनाने से नही होगा ।
- हम यूराशिया रेयूकाई द्वारा भी विभिन्न स्थानो में जाकर राहत वितरण करने का मौका प्राप्त कर रहे हैं ।
- महाभूकंप में पडकर अनेक लोगो ने जान गंवायी । यूराशिया रेयूकाई द्वारा गुजरे हुए उनलोगो के स्मरण का कार्य किया जा रहा है, आंखो से नही दिखायी पडने वाले स्थान में स्मरण कर रहे हैं । गुजरे हुए लोग शायद अतिरिक्त दुःखी होंगे, उनलोगो को स्मरण कार्य द्वारा बचाने का मौका प्राप्त कर रहे हैं । उन गुजरे हुए लोगो की तुलना में हम ज्यादा लोग जीवित हैं । उनलोगो के अंश की जिम्मेवारी भी अब से हमे ही पूरा नही करने से नही होगा ।
- यूराशिया रेयूकाई के पूर्वज स्मरण में स्वयं पूर्वजो की आत्मा को बचाने के लिए स्मरण करने का मौका प्राप्त करना है ।
- मन की स्थिति को पहले की स्थिति में नही लौटाने से नही होगा । मन की क्रियाशीलता आंखो में झलकती है ।
- अपने मन का सम्बन्ध और दूसरे व्यक्ति के कर्म का सम्बन्ध जुडकर एक दूसरे से मुलाकात होती है । चेहरे का मेकअप किया जा सकता है लेकिन आत्मा का मेकअप नही कर सकते । आत्मा को अभ्यास करने का मौका पाकर चमकाना होगा । मृत्यु के बाद शरीर नरम होता है लेकिन आत्मा जीवित रहती है । आत्मा को परिवर्तन कर सकने की शक्ति आपलोगो में है । स्वयं से महान् रेयूकाई शिक्षा का अभ्यास करने का मौका पाकर परिणाम के रुप में दिव्यज्योति वाले अनुभव की घोषणा कर सकने वाला व्यक्ति बनकर तथा औरो को भी वैसा नही बनाने से नही होगा ।
- स्वयं को स्वयं द्वारा परिवर्तन करते जाएं, अन्य लोगो को भी परिवर्तन करते जाएं, साथ-साथ स्वयं द्वारा अपनी आत्मा का विकास भी करते जाएं ।

ललितपुर के चुनिखेल में पुनर्निर्माण कार्य

हार्दिक समवेदना

हमारी निवास करने वाली पृथ्वी पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव दिखाई पड रहा है । फलस्परुप हाल ही में भारत के विभिन्न राज्यों में तापमान में वृद्धि के कारण हजारों लोग अकालमृत्यु के शिकार हो रहे हैं । इस दुखद घडी में जान गंवाने वाले सभी लोगों के परिवार प्रति यूराशिया रेयूकाई हार्दिक समवेदना व्यक्त करता है । हम एक-एक जन जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी सचेतनता फैलाकर पूर्वजों से प्राप्त की गयी महाप्रकृति को पूर्व की स्थिति में लौटाकर संतति को हस्तांतरण करें ।

बाढ एवं भू-स्खलन

मॉनसून की वर्षा के कारण बरसात के समय अनियंत्रित बाढ और भू-स्खलन की विपदाएं आती हैं । पहाड और तराई दोनों क्षेत्रों की नदियों में पानी का बहाव तेज और अनियंत्रित होकर आसपास के क्षेत्रों में बाढ और भू-स्खलन से जन-धन की क्षति एवं अनेक संरचनाएं भी ध्वस्त हो जाती है । समय-समय पर बाढ और भू-स्खलन से नेपाल एवं भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जन-धन का बडा नुकसान हो रहा है । बाढ की संभावित विपदा से बचने के लिए, इसकी रोकथाम एवं न्यूनीकरण तथा सावधानी के लिए हमें सदैव तत्पर रहकर पूवं तैयारी कर पूरी तरह सतर्क रहना पडता है । नेपाल देश में आये महा विनाशकारी भूकंप के कारण जमीन में दरारे आ गयी है तथा पहाड काफी कमजोर हो गये हैं, इसलिए सूखा भू-स्खलन होने की ज्यादा संभावना है । वर्षा के मौसम में बाढ एवं भू-स्खलन होने की संभावना ज्यादा रहने के कारण सतर्क होकर रहने तथा औरों को सतर्क कराने का कार्य करना होगा ।

बाढ एवं भू-स्खलन के पूर्व संकेत :-

– कम समय में ज्यादा वर्षा होना ।
– लंबे समय तक वर्षा का जारी रहना ।
– नदी-नालों व झरनों आदि में पानी का बहाव सामान्य से ज्यादा दिखना ।
– कमजोर पहाडी भू-भाग के कारण भू-स्खलन की संभावनाएं बढ जाती हैं आदि ।

बाढ और भू-स्खलन के प्रकोप होने पर हमें क्या करना चाहिए ?

बाढ और भू-स्खलन का संकेत मिलने के साथ ही होशियार हो जाएं, घबडाएं नहीं ।
घर से शीघ्र बाहर निकल जाएं, निकलने के पहले बिजली की लाइन काट दें व प्लग आदि निकालकर बिजली लाइन बंद कर दें ।
स्वयं सुरक्षित होकर दूसरों को भी सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करने का काम करें ।
बच्चे-बच्चियों तथा बूढे-बुजुर्गों को पहले सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित करें ।प्राथमिक उपचार तथा जरुरी दवाएं हमेशा साथ-साथ रखें । तैयार की गयी खाद्य सामग्री या बिन पकाए खाने वाली सामग्री जैसे- चूडा, दालमूट, चाउ-चाउ और पीने का पानी साथ रखें । असुरक्षित महसूस होने पर घर के खिडकी-दरवाजे बंद कर बाहर निकलें । सुरक्षित स्थान में जाते समय घर की कीमती सामान, जरुरी कागजात साथ लेकर जाएं ।

बाढ एवं भू-स्खलन की रोकथाम के लिए हम क्या करें ?

– वृक्षारोपण करें ।
– जैसे-तैसे वन-जंगलों को न काटें और उनका संरक्षण करें ।
– बाढप्रवण इलाकों को रेखांकित करें और सुरक्षित रहने के उपाय ढूंढे ।
– नदी-नालों के आस-पास वाले क्षेत्र में निवास-स्थान न बनाएं ।
– बाढ आदि की पूर्व सूचना को विकसित करें ।
– जनचेतनामूलक कार्यों का संचालन करें ।
– उद्धार और राहत के लिए आवश्यक सामग्रियों की पूर्व व्यवस्था कर लें ।
– जलनिकासी की सुरक्षित व्यवस्था और विकास करें आदि ।

नेपाल के महाभूकंप पीडितों को सहयोग पहुंचाने वाले क्रियाकलाप

सिन्धुपालचौक जैमिरे

ललितपुर बुंभु

सिन्धुपालचौक होप्से *काभ्रेपलान्चोक, धुलिखेल* *काठमांडू भद्रवास*

काठमांडू सांखु *ललितपुर खोकना* *राहत संकलन सिलीगुडी (भारत)*